April - September - 2016 Vol. 10 (1) अप्रैल - सितम्बर 2016 अंक 10 (1)

From Director's Desk....

ICAR-CIWA with its very significant mandate for addressing gender issues in agriculture and allied fields had an eventful period with research programmes, outreach activities, workshops and brainstorming sessions. During this period, a two-days Brainstorming Workshop on 'Bridging the Gaps in Gender Research' was conducted during 1-2 June, 2016 in which 14 experts from the fields of gender, nutrition, extension, ergonomics and Scientists of the Institute and AICRPHS Centres collectively deliberated upon the concepts of future research projects. Third Quinquennial Review Team meeting of the Institute was held from 9-12 June, 2016 and reviewed the activities of the Institute and AICRP Centers in detail. The second International Yoga Day was observed on 21 June, 2016. A two- days National Level Workshop was conducted on "Mitigating Drudgery of Farm Women: Adoption of Gender Friendly Technologies" during 15-16 September, 2016 at the Institute where experts from different parts of India came together to discuss and churn out models for drudgery reduction of farm women. The *Mera Gaon Mera Gaurav* and *Swachh Bharat Abhiyan* programmes were observed during the period with great vigour and enthusiasm by the ICAR-CIWA family with various on and off campus activities.

Jatinder Kishtwaria

निदेशक की कलम से

कृषि तथा संलग्न में जेंडर सम्बंधित मुद्दों को हल करने के अपने अत्यधिक उल्लेखनीय अधिदेश के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं में अनुसंधान कार्यक्रमों, आउटरीज गतिविधियों, कार्यशालाओं और विचार-मंथन सत्रों के आयोजन के कारण यह अवधि अत्यंत घटना प्रधान रही। इस अवधि के दौरान 1-2 जून, 2016 को ''जेंडर अनुसंधान में अंतरालों को मिटाना'' विषय पर दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया गया जिसमें जेंडर, पोषण, विस्तार, श्रम विज्ञान क्षेत्र के तथा संस्थान के वैज्ञानिकों और एआईसीआरपी-एचएस केन्द्रों के 14 विशेषज्ञों ने भावी अनुसंधान परियोजनाओं की संकल्पनाओं पर विस्तार से चर्चा की। संस्थान के पंचवर्षीय समीक्षा दल की तृतीय बैठक 9-12 जून, 2016 को आयोजित हुई जिसमें संस्थान व एआईसीआरपी-एचएस केन्द्रों की गतिविधियों की समीक्षा की गई। 21 जून, 2016 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। संस्थान में 15-16 सितम्बर, 2016 के दौरान 'फार्म महिलाओं के श्रम को कम करना: जेंडर अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाना' विषय पर राष्ट्रीय स्तर की दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें भारत के विभिन्न भागों से विशेषज्ञ एक साथ आए और उन्होंने फार्म महिलाओं के श्रम को कम करने के लिए चर्चा की तथा कुछ मॉडल विकसित किए। इस अवधि के दौरान भा.कृ.अनु.प.- के.कृ.म.सं. परिवार द्वारा परिसर में व परिसर के बाहर 'मेरा गांव मेरा गौरव' और 'स्वच्छ भारत अभियान' संबंधी अनेक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जतिन्दर किशतवारिया

RESEARCH HIGHLIGHTS

Collaborative Research Project on "Integrated Farming System for Improvement of Nutrition and Livelihood of Farmwomen under Different Agro-Ecosystems"

Under the project, inputs required for the integrated farming systems were distributed to the beneficiaries. Along with *Vanraja* chicks, electrolyte powder, bird feeder and drinker were distributed so that the farm women can do better management of their poultry birds. The vaccination for diseases *Lasota* and IBD were given at the scheduled time to reduce the chances of mortality among the birds. Seeds of high yielding bitter gourd variety of *Akash* and *Sagar* were provided as variety replacement from the traditional variety to the farmers/ farmwomen. Seeds of green leafy vegetables were also provided to the farm families to ensure nutrition to their families though kitchen garden. Seeds of jute variety TL-JRO-878 were procured directly from ICAR-CRIJAF, Barrackpore, West Bengal for distribution to identified jute growing farm families. The plants which should be the essential components of kitchen gardens like banana, drumstick and papaya saplings were distributed to enhance the nutritional status of the families. A live demonstration was made on Terafil water filter produced by IMMT, Bhubaneswar which filters water and provides pure water to the family.

Inter-Institutional Project on "Exploratory Study on Nutritional Status of Nabarangpur District of Odisha"

In order to understand the root cause of malnourishment gripping the district, four blocks *viz.,* Nabarangpur, Tentulikhunti, Umerkote and Chandahandi of the Eastern Ghat highland agro-climatic zone of Odisha were identified to collect baseline data from two hundred households (50 from each block) with women respondents from a cluster of two to three villages to represent nutritional status of Nabarangpur district for identification of suitable interventions. Planting materials of tapioca (*Simli kand*) and sweet potato (*Kanda mul*) were distributed among the participants.

अनुसंधान उपलब्धियाँ

'विभिन्न कृषि पारिस्थितिक प्रणालियों के अंतर्गत फार्म महिलाओं के पोषण व आजीविका में सुधार के लिए समन्वित कृषि प्रणाली' पर सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना

इस परियोजना के अंतर्गत लाभार्थियों को समन्वित कृषि प्रणालियों के लिए वांछित निवेश वितरित किए गए। वनराजा चूजों के साथ इलेक्ट्रोलाइट पाउडर, पक्षियों के आहार और पेय भी वितरित किए गए ताकि किसान अपने कुक्कुट पक्षियों का बेहतर प्रबंधन कर सकें। लासोटा और आईबीडी रोगों के लिए निर्धारित समय पर टीकाकरण किया गया, ताकि पक्षियों में मृत्यु की संभावनाओं को कम किया जा सके। करेले की उच्च उपजशील किस्मों आकाश और सागर के बीज उपलब्ध कराए गए, ताकि किसान/खेतिहर महिलाएं परंपरागत किस्मों के स्थान परइन किस्मों की खेती कर सकें। फार्म परिवारों की उनकी गृह वाटिकाओं के माध्यम से पोषण सुरक्षा सुनिश्चत करने के लिए उन्हें हरी पत्तीदार सब्जियों के बीज भी उपलब्ध कराए गए। फार्म परिवारों द्वारा उगाए जाने के लिए पटसन की पहचानी गई किस्म टीएल-जेआरओ-878 के बीज उन्हें वितरित किए जाने के लिए भा.कृ.अ.प- सीआरआईजेएएफ, बैरकपुर, पश्चिम बंगाल से सीधे खरीदकर उपलब्ध कराए गए। गृह वाटिका के लिए अनिवार्य केला, सहजन और पपीतों की पौदें वितरित की गई ताकि परिवारों के पोषणिक स्तर में सुधार हो सके। आईएमएमटी, भुवनेश्वर द्वारा तैयार किए गए टेराफिल जल फिल्टर का सजीव प्रदर्शन किया गया जो जल को छानके परिवारों को शुद्ध जल प्रदान करता है।

'ओडिशा के नबरंगपुर जिले की पोषणिक स्थिति पर खोजपरक अध्ययन पर अंतर -संस्थागत परियोजना

नबरंगपुर जिले के चार ब्लॉकों नामत: नबरंगपुर, टैंटुलीखुंटी, उमेरकोट और चंदाहांडी को जगड़े हुए कुपोषण का कारण समझने का प्रयास किया गया और ओडिशा के पश्चिमी घाट की उच्च भूमि वाले कृषि-जलवायु अंचल में स्थित क्षेत्र को 200 परिवारों (प्रत्येक ब्लॉक से 50) से बेसलाइन आंकड़े एकत्रित करने के लिए पहचाना गया। इसके अंतर्गत दो या तीन ग्राम समूहों की प्रतिनिधि महिलाओं को उपयुक्त हस्तक्षेपों की पहचान के लिए नवरंगपुर जिले की पोषणिक दशा ज्ञात करने के लिए पहचाना गया। इसके अंतर्गत दो या तीन ग्राम समूहों की प्रतिनिधि महिलाओं को उपयुक्त हस्तक्षेपों की पहचान के लिए नवरंगपुर जिले की पोषणिक दशा ज्ञात करने के लिए चुना गया। टैपियोका (सिमली कंद) और शकरकंद (कंद मूल) की रोपण सामग्री प्रतिभागियों में बांटी गई।

REVIEW MEETINGS

3rd Quinquennial Review Team Meeting

The 3rd Quinquennial Review Team (QRT) meeting of the Institute was held from 9-12 June, 2016 at ICAR-CIWA, Bhubaneswar. The QRT meeting was headed by Dr. P. Das, Chairman QRT and attended by members, Dr. Mehtab S. Bamji, NIN, Hyderabad, Dr. Vandana Dwivedi, Additional Commissioner, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, Dr. Vinita Sharma, Former Head, SEED Division, DST, New Delhi and Dr. V. P. Chahal, Member Secretary, QRT. The Director ICAR -CIWA, Dr. Jatinder Kishtwaria and the Scientists of the Institute also participated in the meeting. The Committee interacted with the scientific and technical staff of ICAR-CIWA and had detailed discussions on the work done by the Institute under the period of review. They also reviewed the work of the AICRP on Home Science centres and deliberated upon the interactions the Committee had with the Scientists of the AICRP centres during its visits to the centres. Thereafter, the Committee discussed the draft of the QRT report and finalized the recommendations for the period under review.

17th Research Advisory Committee Meeting

The 17th Meeting of the Research Advisory Committee (RAC) of ICAR-CIWA was held during 11-12 May, 2016 at the Institute. Dr. Vinita Sharma, Chairperson of RAC, Dr. Prema Ramachandran, Dr. V. V. Sadamate, Dr. R. Rengalakshmi, Dr. Pitam Chandra, Dr. P.S.Pandey, Smt. Pratima Mishra, Smt. Sujata Barick and Dr. Jatinder Kishtwaria, members of RAC, Dr. H. K. Dash, Member-Secretary and Scientists of ICAR-CIWA attended the meeting. Member-Secretary presented the Action Taken Report on the recommendations of 16th RAC, and this was followed by discussion. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA presented the research achievements under various projects of the Institute and future programmes. At the end, the committee suggested recommendations to strengthen the research activities of the Institute.

16th Institute Research Council Meeting

The 16th meeting of the Institute Research Council (IRC) was held during 22-23 July, 2016 under the chairpersonship of Dr. (Mrs.) Jatinder Kishtwaria,

समीक्षा बैठकें

पंचवर्षीय समीक्षा दल की तृतीय बैठक

संस्थान की पंचवर्षीय समीक्षा दल (क्यूआरटी) की तृतीय बैठक 9-12 जून 2016 को भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर में आयोजित हुई। क्यूआरटी बैठक की अध्यक्षता डॉ. पी. दास, अध्यक्ष, क्यूआरटी ने की तथा इसमें अन्य सदस्यों नामत: डॉ. मेहताब एस. बामजी, एनआईएन, हैदराबाद; डॉ. वंदना द्विवेदी, अपर आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; डॉ. विनीता शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, सीड प्रभाग,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली; तथा डॉ.वी.पी.चहल, सदस्य-सचिव, क्यूआरटी ने भाग लिया। निदेशक, भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं., डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया व संस्थान के वैज्ञानिकों ने भी बैठक में भाग लिया। समिति ने भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. के वैज्ञानिक व तकनीकी स्टाफ से चर्चा की तथा समीक्षा की अवधि के दौरान संस्थान द्वारा किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। समिति ने गृह विज्ञान केन्द्रों के एआईसीआरपी द्वारा किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। समिति ने गृह विज्ञान केन्द्रों के भ्रमण के दौरान वहां के वैज्ञानिकों से भी समिति की विस्तृत चर्चा हुई। इसके पश्चात समिति ने क्यूआरटी रिपोर्ट के मसौदे पर चर्चा की और समीक्षाधीन अवधि के लिए अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप दिया।

अनुसंधान परामर्श समिति की 17वीं बैठक

संस्थान की अनुसंधान परामर्श समिति (आरएसी) की १७वीं बैठक संस्थान में 11-12 मई, 2016 को आयोजित हुई। डॉ. विनीता शर्मा, अध्यक्ष, आरएसी; डॉ. प्रेमा रामचन्द्रन; डॉ. वी.वी. सदामते, डॉ. आर. रेंगालक्ष्मी, डॉ. प्रीतम चन्द्रा, डॉ.पी.एस.पाण्डे, श्रीमती प्रतीमा मिश्रा, श्रीमती सुजाता बारिक व डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया (सदस्य आरएसी), डॉ. एच.के.दास, सदस्य-सचिव और भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. के वैज्ञानिकों ने इस बैठक में भाग लिया। सदस्य-सचिव ने आरएसी की 16वीं बैठक में की गई सिफारिशें पर हुई कारवाई प्रस्तुत की और संस्थान की विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत प्राप्त अनुसंधान उपलब्धियों व भावी कार्यक्रमों के बारे में बताया। अंत में समिति ने संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों को सबल बनाने के लिए सिफारिशें सुझाईं।

संस्थान अनुसंधान परिषद की 16 वीं बैठक

अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक की अवधि के लिए अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए डॉ. (श्रीमती) जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. की अध्यक्षता में 22-

Director, ICAR-CIWA to review the progress of research projects for the period from April, 2015 to March, 2016, action taken on the proceedings of the 15th IRC Meeting and discuss the future course of action.

In the opening remarks, the Chairperson highlighted the expectations of the Research Advisory Committee (RAC) members, and stressed the members to incorporate the comments of RAC and the suggestions given by the experts during the Brainstorming Workshop conducted during 1-2, June, 2016, in carrying forward the research and extension activities. She also advised the members to ensure the sustainability of the project interventions, and for replicating the models or carrying forward the deliverables by the line departments and KVKs. She also urged the Scientists to take up short studies such as malnutrition data bases, which is the need of the hour, and to give emphasis for strong methodological background for the projects proposed. Further, discussions were also held about the council's suggestions to terminate the overlapping projects and to rationalize the number of projects. The HRD-Annual Training Plan was also discussed in the IRC.

Thereafter, the presentations of the research projects including action taken on the suggestions of last IRC were made. This was followed by discussion on each project. A total of 24 projects, including three new institutional projects, one new flagship project, one new inter-institutional project, three completed projects, sixteen ongoing projects and Gender in Agriculture Partnership (GAP)-India were discussed. The Chairperson in her concluding remarks appreciated the efforts of all the PIs and Co-PIs. She advised the Scientists to incorporate all the suggestions in future programmes/ plan of action, and to submit the RPPs in-time.

23 जुलाई, 2016 के दौरान संस्थान अनुसंधान परिषद (आईआरसी) की 16 वीं बैठक आयोजित की गई। इसमें 15 वीं आईआरसी बैठक के कार्यवृत्त पर की गई कार्रवाई तथा भावी कार्यविधि पर चर्चा हुई।

अपनी आरंभिक टिप्पणी में अध्यक्ष ने अनुसंधान परामर्श समिति (आरएसी) के सदस्यों से की जाने वाली अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला तथा विचार-मंथन कार्यशाला के दौरान, जो 1-2 जून, 2016 को आयोजित हुई थी, विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझावों व आरएसी की टिप्पणियों को शामिल किए जाने पर बल दिया,ताकि अनुसंधान तथा विस्तार गतिविधियों को उन टिप्पणियों के अनुसार संचालित किया जा सके। उन्होंने सदस्यों को परियोजना संबंधी हस्तक्षेपों में टिकाऊपन लाने व संबंधित विभागों और कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्रदान किए जा सकने वाले माडलों को दोहराने या उन्हें आगे ले जाने की संभावना पर बल दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों से कुछ छोटे अध्ययन जैसे कुपोषण के डेटाबेस को सम्पन्न करने का अनुरोध किया क्योंकि यह समय की मांग है। साथ ही उन्होंने प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए एक सबल क्रियाविधि संबंधी पृष्ठभूमि तैयार करने पर भी जोर दिया। इसके अलावा जिन परियोजनाओं में दोहराव था उन्हें समाप्त करने पर परिषद द्वारा दिए गए सुझावों पर चर्चा हुई तथा परियोजनाओं की संख्या तर्कसंगत बनाने पर भी विचार हुआ। आईआरसी में एचआरडी-वार्षिक प्रशिक्षण योजना पर भी चर्चा की गई।

इसके पश्चात् पिछली आईआरसी में दिए गए सुझावों पर की गई कारवाई सहित अनुसंधान परियोजनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिए गए। इसके बाद प्रत्येक परियोजना पर चर्चा हुई। तीन नई संस्थागत परियोजनाओं, एक नई फ्लैगशिप परियोजना, एक नई अंतर संस्थागत परियोजना, तीन पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं, सोलह चल रही परियोजनाओं और कृषि भागीदारी में जेंडर (जीएपी) - भारत सहित कुल 24 परियोजनाओं पर चर्चा हुई। अध्यक्ष ने अपनी समापन टिप्पणी में परियोजना अन्वेषकों या पीआई और सह-परियोजना अन्वेषकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिकों को समय पर आरपीपी प्रस्तुत करने के साथ-साथ भावी कार्यक्रमों/कार्ययोजना में सुझावों को शामिल करने का भी परामर्श दिया।

MAJOR EVENTS

International Yoga Day

The Institute observed the International Yoga Day on 21 June, 2016 in the campus. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director and staff of the Institute practiced a number of *Asanas & Pranayams* from 7:00 to 8:00 AM. There was also discussion on benefits of specific *Asanas & Pranayams* on physical as well as mental health. Director of the Institute emphasized upon the need to practice yoga everyday to

प्रमुख घटनाएं

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

संस्थान के परिसर में 21 जून, 2016 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निर्देशक तथा संस्थान के स्टाफ ने प्रात: 7.00 से 8.00बजे तक अनेक आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। इस अवसर पर विशिष्ट आसनों और प्राणायामों के शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले लाभों पर भी चर्चा हुई। संस्थान की निदेशक ने प्रतिदिन योगाभ्यास की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि शांति बनी रही,

maintain calm, reduce stress and increase work efficiency. She called upon the staff to propagate yoga within family and in the community for wellbeing of people.

Brainstorming Workshop on "Bridging the Gaps in Gender Research"

A two-day Brainstorming Workshop on 'Bridging the Gaps in Gender Research' was conducted during 1-2 June, 2016 at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar. More than 50 Scientists of ICAR-CIWA and AICRP on Home Science representing 11 States of India and 14 guest experts from fields of gender, nutrition, extension, and ergonomics participated in the workshop. Among the experts who made presentations on the topics related to above mentioned areas were Dr. Vinita Sharma, Dr. V. V. Sadamate, Dr. Aasha Kapur Mehta, Dr. R. Rengalakshmi, Dr. B. N. Sadangi, Dr. Kinkini Dasgupta Mishra, Dr. P. K. Nag, Dr. L. P. Gite, Dr. Jatinder Kaur Arora and Dr. B. Sesikeran. On the second day, guest experts and scientists formed into five groups according to the given thematic areas and deliberated upon the concepts to finalize the projects. The opening session was graced by the Chief Guest, Shri. Manoj Ahuja, Principal Secretary, Department of Agriculture & Farmers Empowerment, Govt. of Odisha and the Guest of Honour, Smt. Sujata R. Karthikeyan, Commissioner-cum-Director, Odisha Watershed Development Mission, Government of Odisha. Dr. S. K. Srivastava, Organizing Secretary of the workshop delivered the welcome address while Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA, presented an overview of the workshop. The research projects prepared by the Scientists of ICAR-CIWA were discussed and refined by the invited experts during the workshop.

Review Workshop of Collaborative project "Integrated Farming System for Improvement of Nutrition and Livelihood of Farmwomen under Different Agro-ecosystems"

Review Workshop of Collaborative Project entitled "Integrated Farming System for Improvement of Nutrition and Livelihood of Farm Women under Different Agro-ecosystems" which is being implemented at six different Centers in the six States of the country was organized on August 20, 2016 under the Chairpersonship of Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA in

तनाव कम हो और कार्य दक्षता में सुधार हो। उन्होंने स्टाफ से परिवार में और समुदाय में योग का प्रचार -प्रसार करने का आव्हान किया, ताकि लोगों का कल्याण हो।

जेंडर अनुसंधान में अंतरालों को मिटाने पर विचार मंथन कार्यशाला

भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. में 1-2 जून, 2016 के दौरान जेंडर अनुसंधान में अंतरालों को मिटाने विषय पर दो दिवसीय विचार -मंथन कार्यशाला का आयोजन किया गया। भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. तथा गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी के 50से अधिक वैज्ञानिकों ने इसमें भाग लिया जो भारत के 11 राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इसके अतिरिक्त इस कार्यशाला में जेंडर, पोषण, विस्तार तथा बलविज्ञान के 14 अतिथि विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। उपरोक्त क्षेत्रों से संबंधित विषयों में प्रस्तुतीकरण देने वाले विशेषज्ञों में डॉ. विनीता शर्मा, डॉ.वी.वी. सदामते, डॉ.आशा कपूर मेहता, डॉ.आर.रेंगालक्ष्मी, डॉ.बी.एन.सदांगी, डॉ.किनकिनी दास गुप्ता मिश्रा, डॉ.पी.के.नाग, डॉ.एल.पी.गिते, डॉ.जतिन्दर कौर अरोड़ा और डॉ.बी.सेसीकेरन प्रमुख थे। दूसरे दिन अतिथि विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों को दिए गए उद्देश्यपरक क्षेत्रों के अनुसार पांच समूहों में बांटा गया और उन्होंने परियोजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए संकल्पनाओं पर चर्चा की। आरंभिक सत्र की श्री मनोज आहूजा, प्रधान सचिव, कृषि एवं किसान सशक्तीकरण विभाग, ओडिशा सरकार ने मुख्य अतिथि के रुप में शोभा बढाई। श्रीमती सुजाता आर. कार्तिकेयन, आयुक्त एवं निदेशक, ओडिशा जलसंभर विकास मिशन, ओडिशा सरकार इस कार्यशाला में सम्मानीय अतिथि थीं। डॉ.एस.के. श्रीवास्तव इस कार्यशाला के संयोजन सचिव ने स्वागत भाषण दिया जबकि डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. ने कार्यशाला का सिंहावलोकन प्रसुत किया। कार्यशाला में भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. के वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत की गई अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा हुई तथा कार्यशाला के दौरान आमंत्रित किए गए विशेषज्ञों द्वारा उनमें सुधार किया गया।

विभिन्न कृषि-पारिस्थितिक प्रणालियों के अंतर्गत फार्म महिलाओं के पोषण व आजीविका में सुधार के लिए समन्वित कृषि प्रणाली पर सहयोगात्मक परियोजना की समीक्षा कार्यशाला

देश के छह राज्यों में छह विभिन्न केन्द्रों में लागू की जा रही 'विभिन्न कृषि पारिस्थितिक प्रणालियों के लिए अंतर्गत फार्म पहिलाओं के पोषण व आजीविका में सुधार के लिए समन्वित कृषि प्रणाली' पर आईएफएस सहयोगात्मक परियोजना की समीक्षा कार्यशाला डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. की अध्यक्षता के अंतर्गत 20 अगस्त, 2016 को आयोजित की गई, ताकि परियोजना की प्रगति की समीक्षा की जा

order to review the progress of the project. Dr. S. K. Srivastava, Principal Investigator of the project briefed about the project and purpose of organizing the workshop. The Chairperson emphasized on the importance of addressing gender concerns in integrated farming systems in Indian context as the contribution of women in agriculture is increasing day-by-day. She pointed out that the traditionally practiced farming systems in India needs to be made more technically and scientifically sound to ensure a much better remuneration to the farmers. She also suggested that the ultimate aim of the project should be to address the targets of reduction of hunger and poverty among the Sustainable Development Goals. The achievements and future course of actions of the project were presented by the Principal Investigators of the Collaborating Centres and Lead Centre. Action to be taken for the future period of the projects were also finalized.

सके। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, प्रधान अन्वेषक, ने संबंधित परियोजना के उद्देश्य व कार्यशाला के आयोजन के बारे में संक्षेप में बताया। अध्यक्ष ने भारतीय संदर्भ में समन्वित कृषि प्रणालियों में लिंग संबंधी चिंताओं से निपटने के महत्व पर बल दिया क्योंकि उनके विचार से कृषि में महिलाओं का योगदान दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत ने खेती की परंपरागत विधियों को तकनीकी व वैज्ञानिक रूप से और अधिक ठोस बनाया जाना चाहिए, ताकि किसानों को खेती से बेहतर लाभ प्राप्त हो सके। उनका सुझाव था कि परियोजना का अंतिम उद्देश्य टिकाऊ विकासात्मक लक्ष्यों में से भूख और गरीबी को कम करना होना चाहिए। सहयोगी केन्द्रों तथा अग्रणी केन्द्र के प्रधान अन्वेषकों द्वारा उपलब्धियां, परियोजना के भावी कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। इसके अतिरिक्त परियोजनाओं की भावी अवधि में की जाने वाली कारवाई को भी अंतिम रूप दिया गया।

National Workshop on Mitigating Drudgery of Farm Women: Adoption of Gender Friendly Technologies

A two-days National Level Workshop was conducted on "Mitigating Drudgery of Farm Women: Adoption of Gender Friendly Technologies" during 15-16 September, 2016 at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar. The workshop comprised of representatives from different fields working towards lessening the drudgery of farm women in India. More than 50 experts, participants, scientists from different parts of India participated. Director, ICAR-CIWA, Dr. Jatinder Kishtwaria, welcomed and inaugurated the workshop with her introductory address. Mrs. Sujata R. Karthikeyan, Commissioner-cum-Director, Odisha Watershed Development Mission, Government of Odisha was the Guest of Honour, and Prof. Surendranath Pasupalak, Vice Chancellor, OUAT, Bhubaneswar was the Chief Guest on the occasion. Eminent scientists and experts viz., Dr. L. P. Gite, Dr. C. R. Mehta, Dr. Deepa Vinay, Dr. Suman Singh, Dr. Vijay Aware, Dr. M. R. Kammar and Dr. S. K. Mohanty contributed immensely in

'फार्म महिलाओं के श्रम को कम करना: जेंडर अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाना विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

भा.कृ.अ.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 15-16 सितम्बर, 2016 के दौरान 'फार्म महिलाओं के श्रम को कम करना: जेंडर अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाना' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भारत ने खेतिहर महिलाओं के श्रम को कम करने के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारत के विभिन्न भागों से आए 50 से अधिक विशेषज्ञों, प्रतिभागियों और वैज्ञानिकों ने इसमें भाग लिया। निदेशक, भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं., डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया ने अपने आरंभिक भाषण में कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। श्रीमती सुजाता आर. कार्तिकेयन, आयुक्त-एवं-निदेशक, ओडिशा जलसंभर विकास मिशन, ओडिशा सरकार इस कार्यशाला में सम्मानीय अतिथि थीं और प्रो.सूरेन्द्रनाथ पशुपालक, कुलपति, ओयूएटी, भुवनेश्वर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों, नामत: डॉ. एल.पी.गिते, डॉ. सी.आर.मेहता, डॉ.दीपा विनय, डॉ. सुमन सिंह, डॉ.विजय आवारे, डा.एम.आर.कम्मार और डॉ.एस.के.मोहंती ने महिलाओं के लिए अनुकूल कृषि औजारों को डिजाइन करने व उनके विकास के बारे में अपने

putting forth their ideas regarding designing and development of women friendly agricultural tools. There were eminent practitioners from ICAR-CIWA and other government agencies such as Shri S. D. Kalyanshetti (MYRADA), Shri P. K. Mohapatra, (DGM, NABARD), Ms. Gayatri Moharana and Dr. Jyoti Nayak (ICAR-CIWA), Shri Debasish Mohapatra (Traidcraft India-Supply Chain Specialist), Shri Kartikeya Panigrahi (Madhyam Foundation), Shri M. R. Anup Kishore (Green Army, Kerala), Smt. Pratima Mishra and Smt. Sujata Barik (IMC Members of ICAR-CIWA), who threw light on the intensity of the problem and the extension gap regarding drudgery reduction of farm women. The following topics were covered *viz.,* improving productivity of farm mechanization; women friendly farm tools and equipment for drudgery reduction; design, development, refinement and evaluation of women friendly technology and extension strategies to address drudgery of farm women, etc. Shri H. K. Panda, Director (Technical), Department of Soil Conservation & Watershed Development proposed the vote of thanks.

Mera Gaon Mera Gaurav (MGMG) Initiative

As part of the MGMG initiative, improved poultry birds Vanraja (200 birds) were distributed to interested villagers. Women SHG's were identified for preparation of *Chhatua* (wheat + Ground Nut + Gram) and mushroom cultivation. Advisory on management of viral diseases in vegetables and horticultural crops were also provided. Literatures on the method of preparation of weaning mix, backyard poultry production and mushroom cultivation were also distributed in the villages. Some of the major problems identified in the villages were malnutrition among children, scarcity of drinking water, menace of wild animals, unhygienic condition, insect pest problems in summer vegetables, water scarcity for agricultural purpose, inadequate awareness on government schemes and programmes for farmers/ farm women.

Swachha Bharat Abhiyan

As part of the ongoing 'National Sanitation Campaign', weekly on-campus cleanliness drives were regularly organized at the Institute's premises, in which all the categories of staff participated with great vigour and enthusiasm. The cleaning and sanitation activities were also carried out in the land area/ plot earmarked for each Staff in CIWA premises, and also in common areas. Cleanliness drives were organized around the farm lands of the Institute, in which the farm labourers actively took part and cleaned the weeds and debris around the farms and farm roads.

As part of the Tribal Sub Plan programme at Village Tarajodi in Shamakhunta block of Mayurbhanj district on

विचार रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया। इस कार्यशाला में भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए व अन्य सरकारी एजेंसियों के प्रतिष्ठित कार्मियों जैसे श्री एस.डी.कल्याणसेट्टी (म्यार्डा), श्री पी.के. मोहपात्रा, (डीजीएम, नाबार्ड), सुश्री गायत्री मोहराणा और डॉ.ज्योति नायक (भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए), श्री देबाशीष मोहपात्रा (ट्रेडक्राफ्ट इंडिया- आपूर्ति श्रृंखला विशेषज्ञ), श्री कार्तिकेय पाणीग्रही (माध्यम फाउंडेशन), श्री एम.आर. अनुप किशोर (ग्रीन आर्मी, केरल) श्रीमती प्रतिमा मिश्रा और श्रीमती सुजाता बारिक (भा.कृ.अ.प-सीआईडब्ल्यूए के आईएमसी सदस्य) ने समस्या की गहनता पर प्रकाश डाला और खेतिहर महिलाओं के श्रम में कमी लाने जैसे विषय में मौजूद विस्तार संबंधी अंतरालों के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर निम्न विषयों पर खास चर्चा हुई : फार्म यंत्रीकरण की उत्पादकता में सुधार; श्रम में कमी लाने के लिए महिलाओं के लिए अनुकूल फार्म औजार एवं उपकरण, महिलाओं के लिए अनुकूल प्रौद्योगिकियों के डिजाइन, विकास, परिशोधन व मूल्यांकन की विधियां; खेतिहर महिलाओं की श्रम संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए विस्तार कार्यनीतियां आदि। श्री एच.के. पाण्डा, निदेशक (तकनीकी), मृदा संरक्षण एवं जलसंभर विकास विभाग ने अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया।

मेरा गांव मेरा गौरव (एमजीएमजी) पहल

एमजीएमजी पहल के एक अंग के रूप में रूचि रखने वाले ग्रामवासियों को कुक्कुट की उन्नत नस्ल वनराज (200पक्षी) वितरित किए गए। छतुआ (गेहूं -मूंगफली -चना) तैयार करने और खुम्बी की खेती के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों या एसएचजी की पहचान की गई। सब्जियों व बागवानी फसलों में विषाण्विक रोगों के प्रबंध के लिए परामर्श उपलब्ध कराए गए। वीनिंग मिक्स, तैयार करने की विधियों, घर के पिछवाड़े कुक्कुट उत्पादन और खुम्बी की खेती पर साहित्य भी किसानों के बीच बांटा गया। गांवों में पहचानी गई कुछ प्रमुख समस्तयाएं थीं : बच्चों में कुपोषण, पेयजल की कमी, वन्य पशुओं का उत्पाद, अस्वच्छ दशा, ग्रीष्मकालीन सब्जियों में कीटनाशकजीव समस्याएं, कृषि के उद्देश्य से इस्तेमाल होने वाले पानी की कमी, सरकारी स्कीमों के बारे में अपर्याप्त जागरुकता और किसानों / खेतिहर महिलाओं के लिए कार्यक्रमों के बारे में कम जानकारी।

स्वच्छ भारत अभियान

'राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान' के एक अंग के रूप में संस्थान परिसर में नियमित रूप से साप्ताहिक परिसर स्वच्छता अभियान चलाए गए जिनमें सभी श्रेणी के स्टाफ ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। सफाई तथा स्वच्छता संबंधी गतिविधियां सीआईडब्ल्यूए परिसर में प्रत्येक स्टाफ के लिए निर्धारित भूमि क्षेत्र /प्लॉट के अलावा सामान्य क्षेत्रों में भी चलाई गई। संस्थान की फार्म भूमियों के चारों ओर स्वच्छता अभियान चलाए गए जिसमें फार्म श्रमिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा फार्म और फार्म मार्गों पर मौजूद खरपतवारों तथा कचरे को साफ किया।

आदिवासी उप योजना कार्यक्रम के अंतर्गत 28 जून, 2016 को मयूरभंज जिले के शामाखूंटा ब्लॉक के ताराजोडी गांव में बच्चों सहित सभी प्रतिभागियों

28 June, 2016, the participants including the children were sensitized about the *'Swachch Bharat Abhiyan'* and the significance of keeping the surroundings neat and tidy. They actively took part and cleaned the roads of the village, and disposed off the wastes promptly.

Programme at AICRP Centre-CSK HPKV, Palampur, Himachal Pradesh: A cleanliness programme was organized by AICRP Centre, Palampur on 2 July, 2016 in the premises of College of Home Science at CSK HPKV, Palampur. About 20 staff of the Institution actively participated in this sanitation drive.

As part of the Collaborative Project on 'Livelihood and Nutritional Improvement of Tribal Farmwomen through Horticulture', sanitation campaign was also organized at a tribal village *viz.,* Majhisahii in Dhenkanal district on 23 August, 2016. The participants including the children were sensitized about the *'Swachch Bharat Abhiyan'* and the significance of keeping the surroundings neat and tidy.

को 'स्वच्छ भारत अभियान' के बारे में जागरुक किया गया तथा अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के महत्व के बारे में बताया गया। उन्होंने ग्राम की सड़कों को साफ करते हुए इस कार्यक्रम में सक्रिय रुप से भाग लिया और जो भी कचरा इकट्ठा हुआ उसे उचित रुप से निपटाया।

एआईसीआरपी केन्द्र-सीएसके एचपीकेवी, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में कार्यक्रम: सीएसके एचपीकेवी, पालमपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में 2 जुलाई, 2016 को एआईसीआरपी केन्द्र पालमपुर द्वारा एक स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस स्वच्छता अभियान में संस्थान के लगभग 20 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

'बागवानी के माध्यम से आदिवासी खेतिहर महिलाओं की आजीविका और पोषणिक सुधार पर सहयोगात्मक परियोजना के अंतर्गत धेनकनाल जिले के आदिवासी गांव माझीसाही में 23 अगस्त, 2016 को स्वच्छता अभियान का आयोजन हुआ। बच्चों सहित सभी प्रतिभागियों को 'स्वच्छ भारत अभियान' तथा अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ व सुथरा रखने के महत्व के बारे में जागरुक किया गया।

Human Resource Development- ***Trainings attended by employees during April-September, 2016***

S. No.	Name of Staff	Name of training programme attended	Duration & Training Institution
1	Dr. Jatinder Kishtwaria Director	Executive Development Programme on Leadership Development	27 August - 1 September, 2016; ICAR-NAARM, Hyderabad
2	Dr. Biswanath Sahoo Pr. Scientist (Animal Nutrition)	Developing Winning Research Proposals	20 - 24 September, 2016 ICAR-NAARM, Hyderabad
3	Mr. Subrat Kr. Das Technical Assistant	Short Course on Computer Applications	18 - 23 July, 2016 ICAR-IASRI, New Delhi

मानव संसाधन विकास-अप्रैल-सितम्बर 2016 के दौरान कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षणों में भाग लेना

क्र.सं.	स्टाफ सदस्य का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	अवधि व प्रशिक्षण देने वाली संस्था
1.	डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक	नेतृत्व विकास पर कार्यपालक विकास कार्यक्रम	27 अगस्त-1 सितम्बर 2016; भा.कृ.अ.प- नार्म, हैदराबाद
2.	डॉ.बिश्वनाथ साहू, प्रधान वैज्ञानिक (पशु पोषण)	विनिंग अनुसंधान विकास संबंधी प्रस्ताव	20 से 24 सितम्बर 2016, भा.कृ.अ.प.-नार्म, हैदराबाद
३.	श्री सुब्रत कुमार दास, तकनीकी सहायक	कम्प्यूटर अनुप्रयोगों पर अल्पावधि कार्यक्रम	18 से 23 जुलाई 2016, भा.कृ.अ.प. आर्सएएसआरआई, नई दिल्ली

EXTENSION ACTIVITIES/ TRAININGS/ WORKSHOPS/ INTERFACE MEETINGS CONDUCTED

Under the project, **'Development and Testing of Institutional Innovations for Empowering Women in Agriculture'**, a workshop was organized on 8 July, 2016 for ICAR-CIWA Scientists at the Institute for validation of checklists developed under the project. Another workshop for NGO functionaries (100 Nos.) of Bolagarh block under Khordha district was conducted on 1 August, 2016 on gender sensitization for engendering agriculture and extension.

Four farmers- scientists interfaces were organized under the project **'Identification of Gender Issues in IPM and Suitable Intervention with Women Perspective'.** Dr. S. K. Srivastava and Dr. Naresh Babu, Principal Scientists coordinated the programme.

आयोजित विस्तार गतिविधियां / प्रशिक्षण / कार्यशालाएं / परिचर्चा / बैठकें

'कृषिरत महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए संस्थागत नवोन्मेषों का विकास एवं परीक्षण' परियोजना के अंतर्गत 8 जुलाई, 2016 को परियोजना में विकसित चैक लिस्ट के सत्यापन के लिए संस्थान में भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. के वैज्ञानिकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त कृषि एवं विस्तार में जेंडर संवेदनशीलता हेतु 1 अगस्त, 2016 को खोरधा जिले के अंतर्गत बोलागढ़ ब्लॉक के स्वयंसेवी संगठन के कार्यकर्ताओं (100 कार्यकर्ताओं) के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

किसानों-वैज्ञानिकों के बीच 'महिलाओं के संदर्भ में आईपीएम व उपयुक्त हस्तक्षेपों में जेंडर संबंधी मुद्दों की पहचान' शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत चार चर्चाएं आयोजित हुई। डॉ.एस.के. श्रीवास्तव और डॉ.नरेश बाबू दोनों प्रधान वैज्ञानिकों ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

A Farmers-Scientists interface was organized at Luhaba Maliput village of Semiliguda block of Koraput dist on June 29, 2016 in collaboration with KVK, Koraput. Around 74 farmers/ farmwomen attended the programme. Smt. Jyotsna Rani Maharana, PC, KVK-Semiliguda, Koraput was the Chief Guest and Sh. Tushar Ranjan Swain, Plant Protection Officer, Jeypore was Guest of Honour of the programme.

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोरापुट के सहयोग से 29 जून, 2016 को कोरापुट जिले के सेमिलीगुड़ा ब्लॉक के लुहाबा मालीपुट गांव में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजित हुई। लगभग 74 किसानों/ फार्म महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। श्रीमती ज्योत्सना रानी महाराणा, परियोजना समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र-सेमिलीगुडा, कोरापुट इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं तथा श्री तुषार रंजन सिवान, पादप सुरक्षा अधिकारी, जेयपोर, कार्यक्रम के सम्मानीय अतिथि थे।

A Farmers-Scientists interface was organized at Dongriguda village of Bhawanipatna, Kalahandi district on August 10, 2016 in collaboration with KVK, Kalahandi. More than 60 farmers/ farmwomen attended the interface programme. Farmers/ farmwomen were also trained on proper installation of insect traps and also on homestead preparation of yellow sticky trap using pot, yellow paint and grease. Ms. Madhumita Jena, Ms. Tulsi Majhi and Sri. Krishna Behera of KVK Kalahandi were also present in the programme. Dr. Prakash Pradhan, Professor (Rtd.) of OUAT, Bhubaneswar was the Chief Guest and resource person for the programme. Farmers-Scientists interface was organized at MV-3 village of Malkangiri district on August 27, 2016 in collaboration of KVK, Malkangiri. More than 70 farmers/ farmwomen attended the interface programme. Sri. N. Behera, Programme Coordinator, Sri A. K. Rai, Sri R. Behera and Sri Himansu Dash of KVK, Malkangiri were also present in the programme. Ms. Manoswani Mohapatra, Assistant Agriculture Officer, Malkangiri was the resource person for the programme.

Farmers-Scientists interface was organized at Nalichuan village, Bhatli block, Bargarh district in collaboration with KVK, Bargarh. More than 90 farmers/ farmwomen and other stakeholders attended the interface programme. Smt. Susrita Sahu, Programme Coordinator, Sri. Tark Chandra Panda, Scientist (Agril. Engineering), Sri. Sanat Kumar Meher, Scientist (Vet.), Sri. Narsingh Charan Barik, Scientist (PP) of KVK, Bargarh including Ms. Pinki Seth, I/c Assistant Agriculture Officer, Sri. Guru Prasad Nayak, BTM, Bhatli block, Bargarh were also present in the programme.

The farmers/farmwomen were benefitted by display and demonstration of various technologies of IPM *viz.,* yellow sticky trap, pheromone trap, pulse beetle trap and rat trap. On-field demonstrations were also made in the standing crops. Farmers/ farmwomen also were trained on proper installation of these traps and also on homestead preparation of yellow sticky trap using pot, yellow paint and grease. Technological support in the form of pheromone traps, trouble gum were provided to the farmers/ farmwomen who participated in the interface.

Under the inter-institutional project on "Exploratory Study on Nutritional Status of Nabarangpur district of Odisha, Scientist -Farmers Interface was organised on August 12, 2016 at Sukhigan and Birigodou village under Umerikot block and Pandara Pakhana village under Raighar block of Nabarangpur district of Odisha in Collaboration with ICAR-CTCRI,

कृषि विज्ञान केन्द्र, कालाहांडी के सहयोग से 10 अगस्त, 2016 को कालाहांडी जिले के भवानीपाटना के डोगरीगुडा गांव में किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा कार्यक्रम में 60 से अधिक किसानों / फार्म महिलाओं ने भाग लिया। किसानों / महिलाओं को पात्र, पीला पेंट और ग्रीज का उपयोग करके पीला चिपचिपा फंदा तैयार करने की घरेलू विधि के साथ-साथ फसल को हानि पहुंचाने वाले कीटों को फंसाने के लिए उन्हें उचित रुप से लगाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। सुश्री मधुमिता जेना, सुश्री तुलसी माझी और श्री कृष्णा बेहरा (कृषि विज्ञान केन्द्र, कालाहांडी) भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। डॉ. प्रकाश प्रधान, प्राध्यापक (सेवानिवृत्त) ओयूएटी, भुवनेश्वर मुख्य अतिथि तथा कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति थे। इसी प्रकार, कृषि विज्ञान केन्द्र, मलकानगिरि के सहयोग से 27 अगस्त, 2016 को मलकानगिरी जिले के एमवी-३ गांव में किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा कार्यक्रम में 70 से अधिक किसानों/ फार्म महिलाओं ने भाग लिया। श्री एन. बेहरा, कार्यक्रम समन्वयक; डॉ. ए.के. राय, श्री आर. बेहरा और श्री हिमांश दाश, कृषि विज्ञान केन्द्र, मलकानगिरि भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। सुश्री मनोस्वनी मोहपात्रा, सहायक कृषि अधिकारी, मलकानगिरि कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति थीं।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बारगढ़ के सहयोग से बारगढ़ जिले के भातली ब्लॉक के नालीचुअन गांव में किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजित हुई। इस परिचर्चा कार्यक्रम में 90 से अधिक किसानों / फार्म महिलाओं तथा अन्य स्टेकहोल्डरों ने भाग लिया। श्रीमती सुश्रीता साहू, कार्यक्रम समन्वयक; श्री तार्क चन्द्रा पाण्डा, वैज्ञानिक (कृषि अभियांत्रिकी); श्री सनत कुमार मेहर, वैज्ञानिक (पशुचिकित्सा); श्री नरसिंह चरण बारिक, वैज्ञानिक (पादप सुरक्षा), कृषि विज्ञान केन्द्र, बारगढ़ तथा सुश्री पिंकी सेठ, प्रभारी सहायक कृषि अधिकारी; श्री गुरुप्रसाद नायक, बीठीएम, भाटली ब्लॉक, बारगढ़ भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

किसानों / फार्म महिलाओं को आईपीएम की विभिन्न प्रौद्योगिकियों जैसे पीले चिपचिपे फंदे, फीरोमोन फंदे, दलहनों के भृंग के लिए फंदे और चूहों के लिए फंदे के प्रदर्शन द्वारा लाभान्वित किया गया। खड़ी फसलों पर भी खेत प्रदर्शन आयोजित किए गए। किसानों / फार्म महिलाओं को इन फंदों को उचित रुप से लगाने के साथ-साथ पात्र, पीला पेंट और ग्रीस का उपयोग करके पीले चिपचिपे कंद को तैयार करने की घरेलू विधि के बारे में विस्तार से बताया गया। फीरोमोन फंदों, ट्रबल गम के रुप में इस परिचर्चा में भाग लेने वाले किसानों / फार्म महिलाओं को प्रौद्योगिकी सहायता भी उपलब्ध कराई गई।

'ओडिशा के नबरंगपुर जिले की पोषणिक स्थिति पर खोजपरक अध्ययन' पर अंतर-संस्थागत परियोजना के अधीन 12 अगस्त, 2016 को उमेरीकोट ब्लॉक के सुखीगत और बिरीगोदू गांवों में और ओडिशा के नबरंगपुर जिले के रायघर ब्लॉक के पंडारा पाखना गांव में भा.कृ.अनु.प.-सीटीसीआरआई, क्षेत्रीय केन्द्र भुवनेश्वर के सहयोग से वैज्ञानिक-किसान परिचर्चा का

Regional Centre Bhubaneswar, where more than 85 farmers and 40 farmwomen; 50 farmers and 20 farmwomen; 34 farmers and 12 farmwomen, respectively participated in the programme.

Under the collaborative project "Empowerment of Farm Women through Livestock Technologies", an animal health camp and farmers meet were conducted at Alapur village, Gop block, Puri District on August 31, 2016. Totally, 68 farmers participated in the programme. About 100 animals were treated for different diseases and medicines and feed supplements were distributed among farmers and farm women.

आयोजन किया गया जिनमें क्रमश: 85 से अधिक किसानों और 40 से अधिक खेतिहर महिलाओं; 50 किसानों और 20 फार्म महिलाओं; 34 किसानों और 12 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया।

'पशुधन प्रौद्योगिकियों के माध्यम से फार्म महिलाओं का सशक्तीकरण' शीर्षक की सहयोगात्मक परियोजनाओं के अंतर्गत 31 अगस्त, 2016 को अलापुर गांव, गोप ब्लॉक, पुरी जिले में एक पशु स्वास्थ्य शिविर और कृषक बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 68 किसानों ने भाग लिया। लगभग 100 पशुओं का विभिन्न रोगों के लिए उपचार किया गया तथा किसानों और फार्म महिलाओं के बीच औषधियां व आहार सम्पूरक बांटे गए।

DISTINGUISHED VISITORS

Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary (DARE) and Director General (ICAR) visited ICAR-CIWA on April 24, 2016 for an interaction meeting with the Scientific, Technical and Administrative staff of the Institute. The meeting was attended by Dr. A. K. Singh, DDG (Ag. Ext.), Directors of various ICAR Institutes *viz.*, Dr. A. K. Nayak (ICAR-NRRI), Dr. J. M. Kataria (ICAR-CARI), Dr. Anupam K. Mishra (ICAR-ATARI, Jabalpur) besides officials of ICAR-NBPGR and all the staff of ICAR-CIWA. Dr. Trilochan Mohapatra addressed that ICAR-CIWA is the only Institute working in a focused manner on issues of women in agriculture. Dr. Mohapatra wished that the Institute should continue to do the good work it has initiated as this Institute is one of the flagship programmes of the Council because it has no equivalence in any other organizations like DST, DBT, CSIR etc. and they all look to this Institute for guidance and policy directions.

सम्मानीय अतिथि

डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव (डेयर) और महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) ने संस्थान के वैज्ञानिकों, तकनीकी व प्रशासनिक स्टाफ के साथ एक परिचर्चा बैठक में भाग लेने के लिए 24 अप्रैल 2016 को भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. का दौरा किया। इस बैठक में डॉ. ए. के. सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार); भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों के विभिन्न निदेशकों, नामत: डॉ. ए. के.नायक (भा.कृ.अनु.प एनआरआरआई), डॉ.जे.एम.कटारिया (भा.कृ.अनु.प-सीएआरआई), डॉ. अनुपम के.मिश्रा (भा.कृ.अनु.प.-एटीएआरआई, जबलपुर) के अलावा भा.कृ.अनु.प.-एनबीपीजीआर के अधिकारियों व भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. के सभी स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। डॉ.त्रिलोचन महापात्रा ने अपने सम्बोधन में बताया कि भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. एकमात्र ऐसा संस्थान है जहां कृषिरत महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर विशेष रुप से ध्यान दिया जाता है। डॉ.महापात्रा ने कामना की कि संस्थान को यहां शुरु किए गए अच्छे कार्य को जारी रखना चाहिए क्योंकि यह संस्थान परिषद के फ्लैगशिप कार्यक्रमों में से एक है और अन्य संगठनों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर आदि जैसे किसी भी अन्य संगठन में इसके समतुल्य कोई संस्थान या संस्था नहीं है और ये सभी मार्गदर्शन व नीति संबंधी निर्देशों के लिए इस संस्थान से ही अपेक्षा करते हैं।

Dr. Narendra Singh Rathore, DDG (Agril. Education), ICAR, New Delhi visited ICAR-CIWA on 28 July, 2017.

डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौर, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने 28 जुलाई, 2017 को भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. का दौरा

On the occasion, the foundation stones were laid for the "Women Farmers Hostel" and "Technology Block" at ICAR-CIWA campus. The Video Conferencing System of the Institute was also inaugurated by him. He stressed upon the national and global expectations on research output of this unique institute exclusively working for 'Women in Agriculture'. On this auspicious occasion, the Directors/ Heads of the sister Institutes at Bhubaneswar like ICAR-CIFA, ICAR-IIWM, ICAR-CTCRI, ICAR-CHES and ICAR-CARI, distinguished scientists and media personnel also participated.

किया। इस अवसर पर भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं. परिसर में 'महिला कृषक छात्रावास' और 'प्रौद्योगिकी ब्लॉक' की आधार शिलाएं रखीं गई। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग प्रणाली का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कृषिरत महिलाओं के लिए कार्य करने वाले एकमात्र अनोखे इस संस्थान की अनुसंधान संबंधी राष्ट्रीय व वैश्विक अपेक्षाओं पर बल दिया। इस सुअवसर पर भुवनेश्वर स्थित परिसर के अन्य संस्थानों जैसे भा.कृ.अनु.प.- सीफा, भा.कृ.अनु.प.- आईआईडब्ल्यूएम, भा.कृ.अनु.प.- सीटीसीआरआई, भा.कृ.अनु.प- सीएचईएस और भा.कृ.अनु.प.- सीएआरआई के निदेशक /अध्यक्ष, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा मीडिया कर्मी भी उपस्थित थे।

Meetings / Programmes Attended By Director ICAR- CIWA, Bhubaneswar

Date	Place	Purpose of Visit
28-29 April, 2016	New Delhi	To attend the unit meeting of AICRP on Home Science
03 May, 2016	Patna	To attend the second green revolution meeting
06 May, 2016	New Delhi	To attend the meeting on "National Consultation for addressing Nutrition Challenges"
18 May, 2016	New Delhi	To attend the meeting for bringing green revolution in eastern India
20 May, 2016	Jorhat, Assam	To attend the unit meeting for Food and Nutrition Component of AICRP on Home Science
24-25 June, 2016	Hyderabad	To attend the XXIII meeting of ICAR Regional Committee-II
01 August, 2016	New Delhi	To attend the unit meeting AICRP on Home Science
09 August, 2016	Chennai	To attend regional consultation meeting on "Enhancing productivity and profitability of pulses for addressing food and nutrition security"
10 August, 2016	New Delhi	To attend meeting with Prasar Bharati
23 August, 2016	Sabour, Bihar	To conduct KVK training programme on "Gender mainstreaming and women empowerment to Scientists"
26 August, 2016	New Delhi	To participate in talk show Vad-Samvad programme on "Women in Agriculture" at DD Kisan
20-21 September, 2016	Parbhani, Maharashtra	To attend the state level workshop for KVK Home Science and Programme Coordinators on "Enhancing Health, Development and Contribution of Rural Women & Children"

Editors : Dr. J. Charles Jeeva
: Dr. S. Tanuja
: Dr. Shivaji Argade

Published by : Dr. Jatinder Kishtwaria, Director
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture
Baramunda, Bhubaneswar
Odisha-751 003 (India)
Phone- 0674-2386940, 2386241
Fax- 0674-2386242

Email : director.ciwa@icar.gov.in
Website : http://www.icar-ciwa.org.in

सम्पादक : डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
: डॉ. एस.तनुजा
: डॉ. शिवाजी अरगडे

प्रकाशन : डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक
भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान,
डाकघर-बरमुण्डा, भुवनेश्वर - 751 003, ओडिशा
दूरभाष : 0674-2386940, 2386241
फैक्स : 0674-2386242

ई-मेल : director.ciwa@icar.gov.in
वेबसाइट : http://www.icar-ciwa.org.in